Adda247
UPSC

**281001**

# संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (मुख्य)
## हिन्दी साहित्य
## प्रश्नपत्र : I

**समय : 3 घण्टे** | **पूर्णांक : 200**

निर्देश : (1) प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है तथा शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखने हैं।

(2) दाहिनी ओर किनारे पर दिये गये अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों (प्रत्येक का) के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए : 4×10=40

(क) अपभ्रंश भाषा की आरम्भिक अवस्था की चर्चा कीजिए।

(ख) अवहट्ट का सामान्य परिचय दीजिए।

(ग) प्रारम्भिक खड़ी बोली की सामान्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(घ) यथार्थवाद को समझाइए।

(ङ) कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए।

(च) देवनागरी लिपि के उत्पत्ति संबंधी मतों का विवेचन कीजिए।

(छ) संत साहित्य की विशेषताएँ बताइए।

(ज) किन्हीं चार आदिकालीन कवियों तथा उनकी कृतियों के नाम बताइए।

(झ) रहस्यवाद किसे कहते हैं?

(ञ) प्रयोगवाद की किन्हीं चार प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

(ट) साठोत्तरी हिन्दी-कहानी की सामान्य विशेषताओं को बताइए।

(ठ) नाटक के सन्दर्भ में रंगमंचीयता और अभिनेयता की उपयोगिता बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं आठ पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×8=40

(क) दक्षिणी अपभ्रंश

(ख) खड़ी बोली के विकास में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का महत्त्व

(ग) त्रिभाषा सूत्र

(घ) सिद्ध-काव्य

(ङ) अष्टछाप

(च) रीतिबद्ध काव्य

(छ) कवि भूषण

(ज) नयी कविता

(झ) स्त्री-विमर्श

(ञ) मनोविश्लेषणवाद

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8×5=40

(क) पश्चिमी प्रदेश के परवर्ती अपभ्रंश की विशेषताएँ बताइए।

(ख) देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक लिपि है। सतर्क उत्तर दीजिए।

(ग) खड़ी बोली के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज के योगदान को स्पष्ट करते हुए तत्कालीन भाषा-विवाद पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

(ङ) आधुनिककालीन हिन्दी गद्य की विभिन्न प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(च) राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की राष्ट्रीय-चेतना पर प्रकाश डालिए।

(छ) हिन्दी में संस्मरण-साहित्य लेखन के विकास पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10×4=40

(क) अवहट्ट के आदि रूप की चर्चा करते हुए उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ख) भारत में पत्रकारिता के आरम्भ पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

(ग) गीतिकाव्य की परम्परा का उल्लेख करते हुए इस परम्परा में विद्यापति का स्थान निर्धारित कीजिए।

(घ) देवनागरी लिपि के मानकीकरण के सम्बन्ध में किए जाने वाले प्रयासों एवं उसमें आने वाली चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

(ङ) हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास की विस्तृत विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10×4=40

(क) भक्तिकाल की विभिन्न परिस्थितियों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

(ख) "घनानन्द प्रेम की पीर के कवि हैं।" इस कथन के आलोक में घनानन्द की कविताओं में श्रृंगार-योजना की समीक्षा कीजिए।



Adda247 UPSC

(ग) बिहारी की बहुज्ञता को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

(घ) हिन्दी आत्मकथा साहित्य की विकास-यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

(ङ) नागार्जुन के काव्य-वैशिष्ट्य को सोदाहरण समझाइए।

**6.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 20×2=40

(क) हिन्दी के विकास में अपभ्रंश के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(ख) हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की विभिन्न पद्धतियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा कीजिए।

(ग) प्रयोगवादी कवि के रूप में 'अज्ञेय' की कविताओं का मूल्यांकन कीजिए।

**7.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 20×2=40

(क) हिन्दी की विभिन्न बोलियों का सामान्य परिचय देते हुए उनकी विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'जयशंकर प्रसाद और उनकी कामायनी' विषय पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।

(ग) राजभाषा अधिनियम 1976 के प्रमुख प्रावधानों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत कीजिए।

**8.** रासो काव्य-परम्परा का विस्तारपूर्वक परिचय प्रस्तुत कीजिए। रासो काव्य-परम्परा में 'पृथ्वीराज रासो' का स्थान निर्धारित कीजिए। 20+20=40

**9.** भ्रमरगीत परम्परा का सविस्तार परिचय देते हुए भ्रमरगीत की विभिन्न प्रवृत्तियों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। भ्रमरगीत की विशेषताओं के आलोक में सूरदास, नन्ददास तथा जगन्नाथदास 'रत्नाकर' द्वारा रचित भ्रमरगीतों की समीक्षा कीजिए। 8+8+8+8+8=40

**10.** हिन्दी में रामकाव्य परम्परा का विस्तारपूर्वक परिचय प्रस्तुत करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। हिन्दी रामकाव्य परम्परा में तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' और केशवदास कृत 'रामचन्द्रिका' का महत्त्व बताइए। 10+10+10+10=40

———

Adda247 UPSC